आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना

हथकरघा

(टोपी व जैक्ट)

जय मां भागासिद्व स्वयं सहायता समूह,सुम्मा

ग्राम वन विकास समिति .... सुम्मा
ग्राम पंचायत.. डुघीलग
वन परिक्षेत्र कार्यालय..भुट्टी
वनमण्डल..कुल्लू
वनवृत...कुल्लू

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना

विषय -सूची

क्र0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सारांश	3-4
2	स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह का विवरण व सूची	5-6
3	गांव की भौगोलिक स्थिति का विवरण	7
4	आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण	7
5	उत्पादन की प्रक्रियाएं	8
6	उत्पादन नियोजन	8-9
7	विक्रय तथा विपणन	10
8	सदस्यों के मध्य प्रबन्धन का विवरण	11
9	शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण **(SWOT Analysis)**	11
10	सम्भावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	12
11	व्यवसाय योजना की अर्थव्यवस्था का विवरण	13-14
12	अर्थव्यवस्था का सारांश	14
13	अनुमान	14
14	उद्यम हेतू लाभ- लागत विश्लेषण	15
15	धन की आवश्यकता	16
16	वित्तीय संसाधन	17
17	धन की आवश्यकता का नियोजन	18
18	लाभ -हानि स्थिति/बिन्दु की तुलना	18
19	ऋण अदायगी नियोजन	19
20	टिप्पणी	20
21	प्रशिक्षण	20
22	अनुलग्नक *(छाया चित्र, नियम, सदस्यों की सूची फोटो सहित व सहमति पत्र)*	21-23

1. कार्यकारिणी सारांश

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय क्षेत्र में स्थित पहाड़ी राज्य है। जो अपनी प्राकृतिक सुन्दरता और समृद्ध संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। हिमाचल प्रदेश की जलवायु बहुत विस्तृत है तथा अनेक छोटी-बड़ी नदियां व घाटियां प्रदेश की सुन्दरता को बढ़ाती है। प्रदेश की कुल आबादी लगभग 70 लाख है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग कि0 मी0 है जोकि शिवालिक पहाड़ियों में उपरी हिमालय के शीत मरूस्थल क्षेत्र तक फैला हुआ यहां कृषि व बागवानी मुख्य व्यवसाय है। हिमाचल प्रदेश के 12 ज़िलों में कुल्लू ज़िला पर्यटन व बागवानी के लिए प्रसिद्ध है।
कुल्लू ज़िला हिमाचल प्रदेश की मध्य पहाड़ियों में स्थित है।

गांव सुम्मा ग्राम पंचायत डुघीलग विकास खण्ड़ कुल्लू, तहसील व ज़िला कुल्लू हिमाचल प्रदेश में स्थित है। कुल्लू ज़िले की घाटियों को भौतिक संरचना के अनुसार तरह-तरह के नाम दिए गये हैं, जिनमें एक नाम लगवैली है। गांव सुम्मा कुल्लू मुख्यालय से लगभग 08 कि0 मी0 की दूरी पर लगवैली में स्थित है। गांव सुम्मा में लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है परन्तु सिंचाईं की उचित व्यवस्था ना होने के कारण लोगों को उनकी आय में अपेक्षित बढ़ौतरी नहीं हो रही है। अधिकतर लोगों के पास बहुत कम ज़मीन है, जिसके कारण उनकी आजीविका का निर्वाह ठीक ढ़ग से नहीं हो रहा है। जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नगदी फसल व बागवानी के कार्य करके अपनी आजीविका चलाते हैं।

गांव में लोग पट्टू बनाने के कार्य कर भी रहे हैं, परन्तु उत्पादन पारम्परिक तरीके से होता है इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने के लिए इन महिलाओं को उन्नत किस्म के यन्त्रों के बारे में जो इस उत्पादन के लिए उपयुक्त है, उनकी जानकारी की आवश्यकता है।

भौगोलिक स्थिति के अनुसार इस क्षेत्र में पूरे वर्ष भर इन उत्पादों की आवश्यकता रहती है। इस लिए उचित प्रशिक्षण एवं आधुनिक यन्त्रों का उपयोग करके अधिक से अधिक उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। समय-समय पर मांग व फैशन के अनुसार नये उत्पाद तैयार करने की भी आवश्यकता है।

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना ने गांव में ग्राम वन समिति सुम्मा के गठन के बाद लोगों को आजीविका के साधन बढ़ाने के लिए समूह में कार्य करने के बारे में बताया। परियोजना के माध्यम से सुम्मा में 03 स्वयं सहायता समूहों का गठन **"द्रौपती"** स्वयं सहायता समूह, **"प्ररेणा"** स्वयं सहायता समूह व **"जय मां भागासिद्ध"** स्वयं सहायता समूह के रूप में किया गया। इसके बाद **"जय मां भागासिद्ध"** स्वयं सहायता समूह ने हथकरघा के कार्य करने का निर्णय लिया। इस समूह में 15 सदस्य शामिल हुए।

"जय मां भागासिद्व" स्वयं सहायता समूह के साथ हथकरघा (टोपी व जैक्ट) के प्रशिक्षक श्रीमति सुनीता देवी व समूह की प्रधान श्रीमति रजनी देवी की राय, सुझावों व अनुभवों के आधार पर समूह के सदस्यों ने टोपी व जैक्ट आदि बनाने का निर्णय लिया। सदस्य ने श्रीमति सुनीता देवी व समूह की प्रधान श्रीमति रजनी देवी से समय-समय पर समूह को जागरूक व कुशल तथा सक्षम बनाने का आग्रह किया ताकि समूह द्वारा बनाये जाने वाले उत्पाद सुन्दर, आकर्षित व अच्छी गुणवता के बने। जिससे समूह की आजीविका में बढ़ौतरी हो।

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना ने **"जय मां भागासिद्व"** स्वयं सहायता समूह को टोपी व जैक्ट बनाने का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ 100000/- रूपये परिक्रीमी निधि के रूप में देने का निर्णय लिया।

"जय मां भागासिद्व" स्वयं सहायता समूह की **आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना** बनाने के लिए श्री शशि शर्मा (FTU Coordinator), भुट्टी वन परिक्षेत्र ने बार-बार समूह के सदस्यों से बैठके करके व वन मण्डल अधिकारी श्री ऐंजल चौहान (IFS) के मार्गदर्शन तथा श्री उमेश शर्मा वन खण्ड अधिकारी, भुट्टी के सहयोग से इस आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना को अन्तिम रूप दिया।

2. स्वयं सहायता समूह का विवरण

2.1	स्वयं सहायता समूह का नाम	“जय मां भागासिद्ध”
2.2	स्वयं सहायता समूह की सूचना प्रणाली प्रबंधन की नियमावली	नियमावली पृष्ठ नं0 21 पर सलंग्न है
2.3	ग्राम वन विकास समिति	सुम्मा
2.4	वन परिक्षेत्र/क्षेत्रीय तकनीकि ईकाई	भुट्टी
2.5	वनमण्डल/मण्डलीय प्रबन्धन ईकाई	कुल्लू
2.6	गांव	सुम्मा
2.7	विकास खण्ड	कुल्लू
2.8	ज़िला	कुल्लू
2.9	स्वयं सहायता समूह में कुल सदस्यों की संख्या	15
2.10	समूह के गठन की तिथि	मई, 2024
2.11	बैंक खाता संख्या	88261300000704
2.12	बैंक का नाम और शाखा जहां समूह का खाता संचाालित है	हि0 ग्रामीण बैंक भुट्टी, (दड़का) कुल्लू
2.13	स्वयं सहायता समूह की मासिक बचत	32000
2.14	कुल बचत	
2.15	सदस्यों को आपस में दिया गया ऋण	
2.16	नकदी जमा करने की सीमा	
2.17	चुकौती की स्थिति	12 महीने

“जय मां भागासिद्ध” स्वयं सहायता समूह की सूची

क्रं0	लाभार्थी का नाम व पता	पद	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	सम्पर्क
1	श्रीमति रजनी देवी पत्नी श्री प्रमेश	प्रधान	25	स्त्री	दसवीं	एससी	7982665366
2	श्रीमति कृष्णा देवी पत्नी श्री जोगिन्द्र सिंह	सदस्य	31	स्त्री	दसवीं	एससी	981628107
3	श्रीमति मीना देवी पत्नी श्री सुनील कुमार	सदस्य	34	स्त्री	छठवीं	एससी	8278842372
4	श्रीमति सुनीता देवी पत्नी श्री जोगिन्द्र सिंह	सदस्य	34	स्त्री	पांचवीं	एससी	8894165713
5	श्रीमति सीमा पत्नी श्री वीर चन्द	सदस्य	37	स्त्री	बीए	एससी	8580526006
6	श्रीमति रामदेई पत्नी श्री गुड्डू	सदस्य	39	स्त्री	सातवीं	एससी	9882943192
7	श्रीमति अनीता देवी पत्नी श्री रमेश कुमार	सदस्य	29	स्त्री	पांचवीं	एससी	6230758792
8	श्रीमति किरणा कुमारी पत्नी श्री शेर सिंह	सदस्य	28	स्त्री	पांचवीं	एससी	8219821800
9	श्रीमति कुसमलता पत्नी श्री गुडडू राम	सदस्य	33	स्त्री	दसवीं	एससी	9882461606
10	श्रीमति विद्या देवी पत्नी श्री टेक चन्द	सदस्य	44	स्त्री	-	एससी	7807094367
11	श्रीमति सीता देवी पत्नी श्री बालक राम	सदस्य	33	स्त्री	पांचवीं	एससी	8626931200
12	श्रीमति ममता देवी पत्नी श्री धर्म चन्द	सदस्य	24	स्त्री	आठवीं	एससी	8091292310
13	श्रीमति हीरामणि देवी पत्नी श्री तापे राम	सदस्य	30	स्त्री	पांचवीं	एससी	6230970905
14	श्रीमति कृष्णा देवी पत्नी श्री खुशाल चन्द	सदस्य	37	स्त्री	बाहरवी	एससी	7876673066
15	कु0 हेमलता सपुत्री श्री फतेह चन्द	सदस्य	19	स्त्री	आठवीं	एससी	9805128973

3. गांव की भौगोलिक स्थिति

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	सड़क से 08 कि0मी0
3.2	मुख्य/लिंक सड़क से दूरी	सड़क से 08 कि0मी0
3.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	कुल्लू 08 कि0मी0.
3.4	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	कुल्लू 08 कि0मी0
3.5	प्रमुख शहरों से दूरी	कुल्लू 08 कि0मी0, भुन्तर 18 कि0मी0, मनाली 48 कि0मी0, शमशी 17 कि0मी0
3.6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद का बिक्रय/विपणन किया जाएगा।	कुल्लू, भुन्तर, मनाली, शमशी
3.7	प्रस्तावित आय सृजन गतिविधि के सम्बन्ध में गांव की कोई विशेष सूचना	कृषि व बागवानी कुल्लवी लिवास पट्टू बनाते है।
3.8	पिछले/ पूर्व और आगामी सम्पर्कों की स्थिति	लगातार बैठके की जा रही है और हथकरघा की जानकारी सांझा की जा रही है।

4. आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	टोपी, जैक्ट
4.2	उत्पाद की पहचान की पद्वति	कुछ सदस्य हथकरघा का कार्य पहले से ही करते है।
4.3	स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह/सदस्यों की सामुहिक सहमति	हां (*सहमति पत्र पृष्ठ नं0 23 पर सलंग्न है)*

4. उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण

सर्वप्रथम स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा टोपी व जैक्ट आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरान्त समूह के सदस्यों द्वारा उत्पाद तैयार करने में निम्न प्रक्रिया की जाएगीः-

1. समूह में 11 सदस्य टोपी बनाने का कार्य करेगें।
2. समूह में 04 सदस्य जैक्ट बनाने का कार्य करेगें।
3. समूह के सदस्य प्रति दिन 4 से 5 घण्टे कार्य करेगें।

प्रशिक्षण के उपरान्त समूह द्वारा निम्नलिखित उत्पादों का कार्य किया जाएगा। जिसका विवरण इस प्रकार से हैः-

1. <u>टोपी</u>

   विभिन्न डिजाईनों की टोपी 11 सदस्यों द्वारा तैयार किया जाएगी। 01 सदस्यों द्वारा प्रति दिन में 4 से 5 घण्टें कार्य करने पर 01 दिन में 04 टोपियां तैयार करेगें।

2. <u>लेड़िज जैक्ट</u>

   विभिन्न डिजाईनों की लेड़िज जैक्ट 04 सदस्यों द्वारा तैयार किया जाएगी। 01 सदस्यों द्वारा प्रति दिन में 4 से 5 घण्टें कार्य करने पर 03 दिन में 01 लेड़िज जैक्ट तैयार किया जाएगी।

6. उत्पादन हेतु नियोजन का विवरण

6.1	उत्पादन चक्र (दिनों में) 30 दिन (प्रतिदिन 4-5 घण्टें कार्य करेगें)	➢ 1320 टोपी ➢ 40 लेड़िज जैक्ट
6.2	प्रति चक्र कार्यकताओं की आवश्यकता (संख्या)	➢ 11 सदस्य टोपी के लिए ➢ 04 सदस्य लेड़िज जैक्ट के लिए ➢ **कुल 15 सदस्य**
6.3	कच्चे माल का स्त्रोत	कुल्लू
6.4	अन्य संसाधनों का स्त्रोत	कुल्लू , शमशी, भुन्तर

6.5 कच्चे माल की आवश्यकता एवं अनुमानित उत्पादन

क्र0	वस्तु का नाम	ईकाई	मात्रा	दर	राशि	उपेक्षित उत्पादन की मात्रा
1	टवीड़ पट्टी *(मच्छी कांटा)*	सै0 मी0	0.20	170	8	
2	बुक्रम	सै0 मी0	0.40	40	16	
3	वुली	सै0 मी0	0.20	30	6	
4	पेस्टिंग *(हार्ड)*	सै0 मी0	0.10	90	9	
5	मगजी कपड़ा	सै0 मी0	0.15	30	2	
6	कुल्लू बॉर्डर पट्टी *(हाथ बुनाई)*	इंच	16	140	140	
7	सिलाई धागा				45	
	जोड़				226	
	सर्विस चार्ज			5%	11	
	कुल उत्पादन लागत				237	
	शुद्व लाभ			20%	47	
	कुल कीमत				284	

- प्रत्येक चक्र (प्रति माह) टोपी 1320 समूह द्वारा बनाये जाएगें।
- साल में टोपी 15840 समूह द्वारा बनाये जाएगें।

क्र0	वस्तु का नाम	ईकाई	मात्रा	दर	राशि	उपेक्षित उत्पादन की मात्रा
1	टवीड़ पट्टी *(सुपर)*	मीटर	0.80	200	160	
2	वुली	मीटर	1.50	30	45	
3	पेस्टिंग *(मुलायम)*	मीटर	0.5	80	40	
4	मशीनी बॉर्डर	मीटर	1.5	25	37	
5	सिलाई धागा, बटन	नग	-	6	30	
6	काज़ की मज़दूरी			20	20	
7	सिलाई मज़दूरी			100	100	
	जोड़				432	
	सर्विस चार्ज			10%	43	
	कुल उत्पादन लागत				475	
	शुद्व लाभ			40%	238	
	कुल कीमत				712	

- प्रत्येक चक्र (प्रति माह) लेड़िज जैक्ट 40 समूह द्वारा बनाये जाएगें।
- साल में लेड़िज जैक्ट 480 समूह द्वारा बनाये जाएगें।

4. विपणन/बिक्री का विवरण

7.1	सम्भावित विपणन स्थल	कुल्लू, भुन्तर, मनाली
7.2	इकाई से दूरी	08 से 48 कि0मी0
7.3	मण्डी स्थल/स्थलों में उत्पाद की मांग	कुल्लू, भुन्तर, मनाली
7.4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह द्वारा अपनी क्षमता व स्थानीय मांग के आधार • विक्रेताओं की सूची बनाना। • विक्रेताओं से सम्पर्क।
7.5	विपणन पर मौसम का प्रभाव	सर्दी में ज्यादा मांग।
7.6	उत्पाद के संभावित खरीदार	स्थानीय लोग, शहरी लोग, पर्यटक
7.7	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	किरायेदार, नौकरी वाले, बाहरी लोग।
7.8	उत्पाद का विपणन तंत्र	• दुकानदारों से सम्पर्क। • अपना बिक्री केन्द्र • मेलों में स्टाल/प्रदर्शनी • विभिन्न कार्यालय • धार्मिक स्थलों
7.9	उत्पाद की विपणन रणनीति	• थोक व्यापारी • परचून व्यापारी • एजैन्ट 20-25 प्रतिशत सब्सिड़ी • लोकल नैटवर्क में प्रचार • सोशिल मीडिया में प्रचार
7.10	उत्पाद का छाप निर्धारण	जय मां भागासिद्व ग्रुप रे शोभले उत्पाद जय मां भागासिद्व ग्रुप रे शोभले उत्पाद सुम्मा
7.11	उत्पाद का नारा-	शोभला गांव, शोभला कोम, रति भर नहीं काण । यह सा सुम्मा, जैक्ट,टोपी री पहचाण।।

JICA Project

8. समूह सदस्यों के मध्य प्रबंधन का विवरण

- प्रबन्धन के लिए नियम बनाये जाएगें।
- समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यो का बंटवारा करेंगें।
- बंटवारा कार्य की कुशलता व क्षमता के आधार पर किया जाएगा।
- लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवता व कुशलता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएगा।
- विपणन करने वाले सदस्य को कुल बिक्री राशि पर 05 प्रतिशत कमीशन दी जाएगी।
- प्रधान व सचिव प्रबन्धन का मुल्यांकन एवं अवलोकन समय-समय पर करते रहेगें।

9.शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण (SWOT Analysis)

शक्ति

- महिलाओं में कार्य करने की लग्न है।
- कुछ महिलाएं पहले से कार्य करती हैं।

दुर्बलता

- महिलायें कृषि व पशुपालन के कार्य भी करती हैं।
- कार्य के लिए 2 से 3 घण्टें का समय ही निकाल पाना।
- समूह में कार्य पहली बार कर रहे है।

अवसर

- हि0 प्र0 वन परितन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
- प्रशिक्षण से कुशलता व क्षमता में बढ़ौतरी होगी।
- उत्पादकों की लोकल व शहरों में मांग है।
- कुल्लू व मनाली पर्यटक स्थल है।

चुनौती

- अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।
- बाज़ार की स्थिति (डिमांड़) को ना समझना।
- अन्य उत्पाद केन्द्रों से प्रतिस्पर्धा।
- अन्य (कृषि बागवानी व पशुपालन) कार्यो में व्यस्थता।

10. सम्भावित चुनौतियां तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण

क्र0सं0	ज़ोखिमों/ चुनौतियों का विवरण	::	जोखिम कम करने के उपाय
10.1	बाज़ार की स्थिति (डिमांड़) को ना समझना।	::	समय-समय पर बाज़ार की मांग के अनुसार चलना।
10.2	अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।	::	उपभोक्ताओं के मनपसन्द उत्पाद तैयार करना।
10.3	अन्य उत्पाद केन्द्रों से प्रतिस्पर्धा।	::	अन्य उत्पाद केन्द्रों से बेहतर उत्पाद बनाना व शुरू में कम लाभ कमाना।
10.4	उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।	::	उपभोक्ताओं से हमेशा सम्पर्क में रहना।
10.5	कृषि बागवानी व पशुपालन कार्यो में ज्यादा व्यस्थता।	::	कृषि बागवानी व पशुपालन और घर के अन्य कार्यो के साथ-साथ हथकरघा में ध्यान देना।
10.6	समूह में बंटवारा	::	आय मे बंटवारा कुशलता व क्षमता के आधार पर करना। पार्दर्शिता से कार्य करना।
10.7	उत्पाद की गुणवता घटने से बिक्री कम हो सकती है।		गुणवता बनाये रखने के लिए समूह को उच्च मापदण्ड रखने होंगें।

11. परियोजना की अर्थव्यवस्था का विवरण

11अ-पूंजीगत व्यय

क्र0सं0	विवरण	मूल्य (रू0 में)
1	13 सिलाई मशीन जुकी (34000 रूपये प्रति मशीन)	442000
2	01 सिलाई मशीन अम्ब्रेला मोटर सहित (7500 रूपये प्रति मशीन)	7500
3	14 कैंची (650 रूपये प्रति कैंची)	9100
4	14 प्रैस (1600 रूपये प्रति प्रैस) 03 कि0ग्रा0	22400
5	14 कटिंग सैट (450 रूपये प्रति सैट)	6300
	कुल पूंजी व्यय	487300

11ब–आवर्ती व्यय (एक चक्र में)

क्र0	वस्तु का नाम	ईकाई	मात्रा	दर	राशि	उपेक्षित उत्पादन की मात्रा
1	टवीड़ पट्टी	सै0मी0	150	170	25500	1320 टोपी
2	बुक्रम	सै0मी0	250	40	10000	
3	वुली	सै0मी0	150	30	4500	
4	पेस्टिंग	सै0मी0	100	90	9000	
5	मगजी कपड़ा	सै0मी0	50	30	1500	
6	कुल्लू बॉर्डर पट्टी	16 इंच/पीस	1320	120	158400	
7	सिलाई धागा	नं0	5	1320	6600	
	जोड़				215500	
	सर्विस चार्ज		5%		10775	
	कुल उत्पादन लागत				226275	
	शुद्व लाभ		15%		33941	
	कुल कीमत				260216	

क्र0	वस्तु का नाम	ईकाई	मात्रा	दर	राशि	उपेक्षित उत्पादन की मात्रा
1	टवीड़ पट्टी	मीटर	288	200	57600	40 लेड़िज जैक्ट
2	वुली	मीटर	540	30	16200	
3	पेस्टिंग	मीटर	180	80	14400	
4	मशीनी बॉर्डर	मीटर	540	25	13500	
5	सिलाई धागा, बटन	नग	40	6	240	
6	काज़ की मज़दूरी		40	20	800	
7	सिलाई मज़दूरी		40	100	4000	
	जोड़				106740	
	सर्विस चार्ज			10%	10664	
	कुल उत्पादन लागत				117415	
	शुद्व लाभ			40%	46966	
	कुल कीमत				164381	

11 अर्थ–व्यवस्था का सारांश

उत्पादन की लागत

क्रं0	विवरण	धनराशि
1	कुल आवर्ती लागत	322240
2	पूंजीगत व्यय पर 10 प्रतिशत वार्षिक ह्रास	4873
3	ऋण पर 10 प्रतिशत वार्षिक ब्याज	2700
	योग	**329813**

12 अनुमान

विक्रय मुल्य की गणना

क्रं0	विवरण	इकाई	मात्रा	धनराशि
एक टोपी के लिए				
2	उत्पादन की लागत	संख्या	1	237
	निर्धारित लाभ	प्रतिशत	30	71
	कुल (लागत+ लाभ)	संख्या	1	**308**
	बाजार भाव	संख्या	1	375
एक लेड़िज़ जैक्ट के लिए				
3	उत्पादन की लागत	संख्या	1	475
	निर्धारित लाभ	प्रतिशत	40	190
	कुल (लागत+ लाभ)	संख्या	1	**665**
	बाजार भाव	संख्या	1	850

13.उद्यम हेतू लागत-लाभ विश्लेषण (एक चक्र में यानि 01 महीना में)

क्रं0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशि
1	पूंजीगत व्यय पर 10 % वार्षिक ह्रास (अ)	-	-	-	4873
2	आवर्ती व्यय (ब)				
2.1	टोपी				215500
2.2	लेड़िज जैक्ट				106740
	योग (ब)				322240
3	कुल उत्पादन (टोपी)	संख्या	1320		
	कुल उत्पादन (लेड़िज जैक्ट)	संख्या	40		
4	उत्पाद की बिक्री (टोपी)	संख्या	1320		
	उत्पाद की बिक्री (लेड़िज जैक्ट)	संख्या	40		
5	उत्पाद की बिक्री से आय (टोपी)	संख्या	1320	308	406560
	उत्पाद की बिक्री से आय (लेड़िज जैक्ट)	संख्या	40	665	26600
	योग (स)				433160
6	कुल लाभ =स-(अ+ब) 433160-(4873+322240)= 106047				106047
7	उत्पाद की बिक्री से सकल लाभ				106047

14. स्वयं सहायता समूह को धन की आवश्यकता

क्रं0	मद	कुल व्यय	परियोजना द्वारा अंशदान 75%	समूह द्वारा अंशदान 25%	समूह को ऋण की आवश्यकता
1	पूंजीगत व्यय	487300	365475	121825	0
2	आवर्ती व्यय	322240	0	0	322240
	योग	809540	365475	121825	322240
नोटः- ऋण की आवश्यकता					2230000

नोट -चूंकि मजदूरी का प्रबन्ध समूह के सदस्य स्वयं करेगें अतः इसके लिए अतिरिक्त धन की आवश्यकता नही होगी इसलिए समूह की वित्तीय आवश्यकता में दिये गये आवर्ती व्यय में मजदूरी को नही जोड़ा गया है।

15.समूह के वित्तीय संसाधन

क्रं0	विवरण	धनराशि
1	परियोजना द्वारा उपलब्ध करायी गयी सहायता कोष	365475
2	समूह की आंतरिक बचत	15000
	योग	**380475**

- परियोजना द्वारा 100000/- रूपये राशि बीज कोष के रूप में उपलब्ध करायी जायेगी। इस बीज कोष के आधार पर ही समूह के सदस्य बैंक से ऋण लेगें।

16. धनराशि की आवश्यकता का नियोजन

क्रं0	आवयश्यक संसाधन	आवयश्यक धनराशि	अभ्युक्ति
1	13 जुकी सिलाई मशीन	110500	समूह द्वारा सहायता राशि से सिलाई मशीन, मशीन स्टैण्ड़, कैंची व प्रेस के लिए 25% एडवांस देंगे।
2	01 अम्ब्रेला सिलाई मशीन मोटर सहित	1875	
3	14 कैंची	2275	
4	14 प्रैस	5600	
5	14 स्केल सैट	1575	
	कुल	**121825**	
6	कच्चा माल	**322240**	
	कुल योग	**444065**	

17. लाभ-हानि बिन्दू/स्थिति की गणना (ब्रेक इविन प्वाइन्ट)

टोपी की सम विछेदन बिन्दू की गणना

= 487300/308   1582 दिन

लेडिज़ जैक्ट की सम बिछेदन बिन्दू की गणना

= 487300/665   733 दिन

कुल लाभ *(टोपी, लेड़िज जैक्ट=* 1582+733= 2315

अतः सम बिछेदन बिन्दू

- = 487300/2315   210 दिन
- इस प्रक्रिया में उपरोक्त उत्पाद की बिक्री के इसी अनुपात के अनुसार 210 दिनों में सम विछेदन बिन्दू प्राप्त किया जा सकता है।

18. ऋण चुकौती की अनुसूची

क्रं0	महीना	ऋण वापसी			संचयी ऋण वापसी	अवशेष ऋण		
		मूलधन	ब्याज	कुल		मूलधन	ब्याज	कुल
1	महीना-1					323000	2691.667	**325691.7**
2	महीना-2	28308.333	2691.667	31000	**31000**	294691.7	2455.764	**297147.4**
3	महीना-3	28544.236	2455.764	31000	**31000**	266147.4	2217.895	**268365.3**
4	महीना-4	28782.105	2217.895	31000	**31000**	237365.3	1978.044	**239343.4**
5	महीना-5	29021.956	1978.044	31000	**31000**	208343.4	1736.195	**210079.6**
6	महीना-6	29263.805	1736.195	31000	**31000**	179079.6	1492.33	**180571.9**
7	महीना-7	29507.67	1492.33	31000	**31000**	149571.9	1246.432	**150818.3**
8	महीना-8	29753.568	1246.432	31000	**31000**	119818.3	998.4861	**120816.8**
9	महीना-9	30001.514	998.4861	31000	**31000**	89816.81	748.4734	**90565.29**
10	महीना-10	30251.527	748.4734	31000	**31000**	59565.29	496.3774	**60061.66**
11	महीना-11	30503.623	496.3774	31000	**31000**	29061.66	242.1805	**29303.84**
12	महीना-12	29061.819	242.1805	29304	**29304**	-0.15547	-0.001296	**-0.15676**
		323000.16		**339304**	**339304**			

- 10% वार्षिक ब्याज की गणना प्रति माह घटते हुए मूलधन के आधार पर की गई है। समायोजन के कारण अन्तिम ई0एम0आई0 नियमित ई0एम0आई0 से कम या अधिक हो सकती है।

19. टिप्पणी

समूह द्वारा प्रथम चक्र में 1320 टोपी व 40 लेड़िज जैक्ट तैयार करके विक्रय किए जाएगें। इससे प्रत्येक चक्र में औसतन 106047/- रूपये की आय सम्भावित है।

20. प्रशिक्षण

प्रशिक्षण प्रतिदिन 08 घण्टें किया जाएगा यानि 14 दिन। मास्टर ट्रेनर को 750/- रूपये प्रतिदिन के हिसाब से प्रशिक्षित करने का दिया जाएगा। प्रशिक्षण की अवधि के समय समूह को एक बार कच्चा माल 1000/- रूपये प्रति प्रशिक्षणार्थी के हिसाब से दिया जाएगा।

क्रं0	विवरण	प्रशिक्षण	सदस्य	दर	राशि	टिप्पणी
1	मास्टर ट्रेनर टोपी, जैक्ट	14 दिन	15	750	10500	
2	बोर्डिंग लॉज़िग	14 दिन		100	1400	100 रूपये /दिन
3	कच्चा माल/प्रशिक्षण सामग्री	14 दिन	15	1000	15000	1000 रूपये /सदस्य एक बार
4	प्रशिक्षण केन्द्र का किराया	14 दिन	-	1400	1400	100 रूपये/दिन
5	परिवहन किराया	मशीन	-	-	1000	1000 रूपये एक बार
	कुल				29300	

21अनुलग्नक

जय मां भागासिद्व स्वंय सहायता समूह के नियमों की सूची

1. समूह का काम : **हथकरघा**
2. समूह का नाम : **जय मां भागासिद्व स्वयं सहायता समूह**
3. समूह का पता : **गांव सुम्मा डा0 डुघीलग तह0 व ज़िला कुल्लू हि0 प्र0**
4. समूह के कुल सदस्य : 15
5. समूह की पहली बैठक की तिथि ; **मई, 2024**
6. समूह में हर 100 रूपए पर 2 रूपए ब्याज होगा
7. समूह की मासिक बैठक हर माह की **05** तारिख को होगी
8. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेगें
9. स्वंय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा
10. स्वंय सहायता समूह का खाता हि0 ग्रामीण बैंक भुट्टी, (दड़का) कुल्लू में खोला गया। खाता संख्या नंबर 88261300000704 है।
11. समूह की बैठक में गैर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी
12. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बैठकों तक समूह से गैर हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाएगा
13. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए बगैर गैर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा
14. स्वंय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाएगें
15. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा
16. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्व कोई काम नही करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें
17. अगर सदस्य किसी कारण समूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ सकता है अन्यथा नही
18. ऋण का उदेश्य रकम की चुकौती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी
19. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए
20. स्वंय सहायता समूह के रजिस्ट्रर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए
21. ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी।
22. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाहिए।
23. अगर सदस्य बिना कारण से समूह को छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा रही समूह में बांटी जाएगी
24. समूह को अपनी मासिक रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit) के कार्यालय में देनी होगा।

जय मां भागासिद्ध स्वयं सहायता समूह के सदस्य के छायाचित्र

श्रीमति रजनी देवी
प्रधान

श्रीमति कृष्णा देवी
सचिव

श्रीमति मीना देवी
कोषाध्यक्ष

श्रीमति सीमा देवी
सदस्य

श्रीमति सुनीता देवी
सदस्य

श्रीमति रामदेई
सदस्य

श्रीमति अनीता
सदस्य

श्रीमति किरणा कुमारी
सदस्य

श्रीमति कुसमलता
सदस्य

श्रीमति हेमलता
सदस्य

श्रीमति सीता देवी
सदस्य

श्रीमति विद्या देवी
सदस्य

श्रीमति ममता देवी
सदस्य

श्रीमति हीरामणी
सदस्य

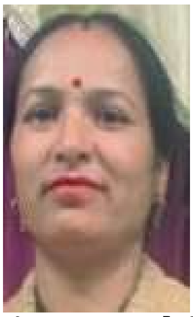
श्रीमति कृष्णा देवी
सदस्य

सहमति पत्र

आज दिनांक 02/05/24 को **जय मां भागा सिद्व स्वयं सहायता समूह सुम्मा** की बैठक प्रधान श्रीमति रजनी देवी की अध्यक्षता में हुई जिसमें में समूह के सभी सदस्यों ने भाग लिया। **जय मां भागा सिद्व स्वयं सहायता समूह सुम्मा** के सदस्यों द्वारा व क्षेत्रीय तकनीकि ईकाई भुट्टी के सहयोग से तैयार हथकरघा व्यवसाय योजना के दस्तावेज के प्रारूप को अन्तिम रूप दिया। वन विभाग के माध्यम से **हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना** *(जाईका द्वारा वित पोषित)* के सहयोग से चलाई जा रही परियोजना के साथ **जय मां भागा सिद्व स्वयं सहायता समूह सुम्मा** के सदस्यों ने अपनी आजीविका वर्धन करने के लिए सर्वसहमति से **हथकरघा** (Handloom) का निरन्तर कार्य करने की सहमति प्रदान की।

प्रधान Rajni Devi
जय मां भागासिद्ध स्वयं सहायता समूह
सुमा तह० व ज़िला कुल्लू (हि०प्र०)

सचिव Kamla Sharma
जय मां भागासिद्ध स्वयं सहायता समूह
सुमा तह० व ज़िला कुल्लू (हि०प्र०)

कोषाध्यक्ष मीना देवी
जय मां भागासिद्ध स्वयं सहायता समूह
सुमा तह० व ज़िला कुल्लू (हि०प्र०)

अनुमोदन

आज दिनांक 3/5/24 को मण्डलीय प्रबन्धन ईकाई एवं वन मण्डल अधिकारी कुल्लू द्वारा **जय मां भागा सिद्व स्वयं सहायता समूह सुम्मा** की **हथकरघा** (Handloom) की आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना का अनुमोदन किया।

DMU- cum DFO Kullu,
Kullu Forest Division Kullu